



माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

24 पृष्ठीय

परीक्षार्थी द्वारा भरा जाये ↓

परीक्षा का विषय : विषय कोड : परीक्षा का माध्यम

Ani. Hus. & Poultry 4 : 2 : 0 हिन्दी

परीक्षार्थी द्वारा भरा जाये

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, म.प्र., भोपाल. माध्यमिक शिक्षा मण्डल, म.प्र., भोपाल. माध्यमिक शिक्षा मण्डल, म.प्र., भोपाल.

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

0039365

परीक्षार्थी का रोल नम्बर

2 9 4 7 2 5 3 1 5

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

नीचे दिये गये उदाहरण अनुसार रोल नम्बर भरें।

उदाहरणार्थ

1	1	2	4	3	9	5	6	8
---	---	---	---	---	---	---	---	---

एक एक दो चार तीन नौ पांच छः आठ

केन्द्राध्यक्ष/सहायक केन्द्राध्यक्ष एवं पर्यवेक्षक द्वारा भरा जाये

क :- पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या अंकों में शब्दों में

ख :- परीक्षार्थी का कक्ष क्रमांक

ग :- परीक्षा का दिनांक

परीक्षा का नाम एवं परीक्षा केन्द्र क्रमांक की मुद्रा

सेकण्डरी परीक्षा 2019 केन्द्राध्यक्ष केन्द्र क्र. 471005

पर्यवेक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर : केन्द्राध्यक्ष/सहायक केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर

सुकेत शर्मा

केन्द्राध्यक्ष

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जाये ↓

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जाये

प्रमाणित किया जाता है कि मूल्यांकन के समय पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या उपरोक्तानुसार सही पाई हो। क्राफ्ट स्टीकर क्षतिग्रस्त नहीं पाया गया तथा अन्दर के पृष्ठों के अनुरूप मुख्य पृष्ठ पर अंकों की प्रविष्टि एवं अंकों का योग सही है।

निर्धारित मुद्रा : नाम, पदनाम, मोबाईल नम्बर, परीक्षक क्रमांक एवं पदांकित संस्था के नाम की मुद्रा लगाएं।

उप मुख्य परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा : परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा

प्रश्न क्रमांक	पुष्ट क्रमांक	प्राप्त	करें (में)
1			
2			
3			
4			
5			
6			
7			
8			
9			
10			
11			
12			
13			
14			
15			
16			
17			
18			
19			
20			
21			
22			
23			
24			
25			
26			
27			
28			

जे०२

2019

2



+



=



योग पूर्व पृष्ठ

पृष्ठ 2 के अंक

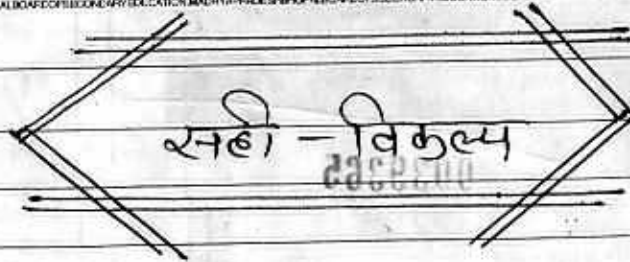
कुल अंक



प्रश्न क्र.

प्रश्न:-1

उत्तर:-1



(i) जीवाणु ।

(ii) वर्षा के पहले ।

(iii) गलघोंटु ।

(iv) फरह मशुरा ।

(v) बाबरी ।

B
S
E

P.T.O.

3



शिवत स्थान पूर्ति

❌ (अ) स्पेन / ~~ग्रेट ब्रिटेन~~

❌ (ब) भेड / ~~ग्रेट ब्रिटेन~~

❌ (स) 150 दिन / ~~ग्रेट ब्रिटेन~~

(द) कुरुनाल (हरियाणा) / ~~ग्रेट ब्रिटेन~~

(इ) कैरोटिन व जैन्थोफिल / ~~ग्रेट ब्रिटेन~~

P.T.O.

4

$$\square + \square = \square$$

पृष्ठ 4 के अंक कुल अंक



प्रश्न क्र.

पृ० 3
उ० 3

~~सत्य / असत्य~~

~~(अ) असत्य~~

~~(ब) असत्य~~

~~(स) असत्य~~

~~(द) सत्य~~

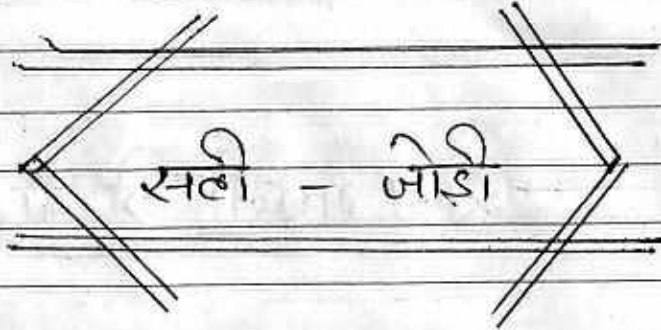
~~(इ) असत्य~~

B
S
E

P.T.O.

5

$$\boxed{\text{यौ}} + \boxed{\text{क अंक}} = \boxed{\text{कुल अंक}}$$



(a) मूर्गी फार्म की छत - छप्पर पक्की खपरैल ।

(b) 100 मूर्गी के बच्चों के लिये पानी की व्यवस्था - 20-25 लीटर ।

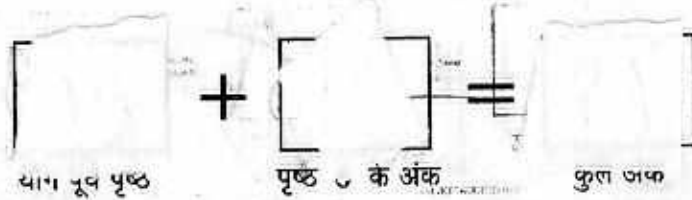
(c) रानीखेत - वायरस ।

(d) बी.बी.एन.डी. वैक्सिन - बर्ड फ्लु ।

(e) कुक्कुट शीतला - छोटे पक्षियों में ।

P.T.O.

6



प्रश्न क्र.

505

305

कतला मछली की दो विशेषताएँ

कतला (कतला-कतला) मछली की प्रमुख विशेषताएँ

निम्न हैं:-

B
S
E

(1) कतला मछली का शुभ्रन चौड़ा व निचले आँव उबरे हुए होते हैं।

(2) कतला मछली तेजी से वृद्धि करती है। इस-लिए यह मछली पालन की प्रमुख मछल है।

(3) इस मछली का शरीर बड़े-बड़े शल्कों (shells) से ढका होता है।

(4) पी की लम्बाई 180 cm. की होती है।

P.T.O.

7

पूर्व २०

+

पृष्ठ 7 के अंक

.. अंक



विदेशी सुअर की दो नरले

विदेशी सुअर की प्रमुख नरले निम्न हैं :-

(1) इयुरॉक (2) ईमवार्थ

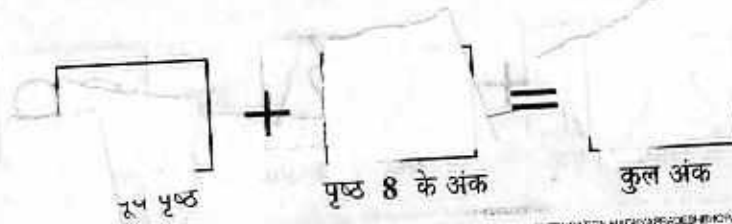
(3) वृहत् सफेद मार्कशायर ।

(4) मध्य सफेद मार्कशायर ।

(5) छलक बार्कशायर ।

P.T.O.

8



प्रश्न क्र.

पृ० 7
उ० 7

दुकाजी नस्ल की दो बकरियों

दुकाजी (Dual purpose) नस्ल की प्रमुख निम्न हैं :-

(1) जमुनापरी :-

यह बकरी दुध व मांस के लिये पाली जाती है।

(2) बरबरी :-

यह बकरी भी दुध व मांस के लिये पाली जाती है।

(3) सानेन :-

इस बकरी को 'दुध की रानी' कहते हैं। इसे भी दुध व मांस के लिये पाला जाता है।

(4) अल्पाइन :-

इस बकरी को भी दुध व मांस के लिये पाली जाती है।

P.T.O.

9



"OR"

सॉयलिंग (Soiling) के तीन लाभ

सॉयलिंग (Soiling)

एक ट्रे चारों को भली-भाँति उगाकर के ताजी अवस्था में हाथी-हाथ पशुओं को खिलाने की क्रिया को सॉयलिंग (Soiling) कहते हैं।

सॉयलिंग (Soiling) के तीन लाभ

(1) चारों में बिना पोषक तत्वों की हानि हुए पशु को ताजा चारा खाने को मिलाता है।

(2) एक वर्ष में चारों की कई फसलें प्राप्त की जा सकती हैं।

(3) फेन्सिंग (Fencing) की भी आवश्यकता नहीं होती है।

(4) हेय (Hay) व साइलज (Silage) की अपेक्षा यह विधि अधिक लाभदायक है।

विधि द्वारा पशु को चारा खिलाने से उत्पादन (Production) में काफी वृद्धि होती है।

P.T.O.

10

एक पूर्व पृष्ठ

एक अंक



प्रश्न क्र.

6) सॉयलिंग विधि से पशुओं को चारा खिलाने में कम लागत आती है और फायदा अधिक होता है।

पृष्ठ
उप
B
S
E

शरीर में प्रोटीन के कार्य "OR"

शरीर में प्रोटीन के कार्य निम्नलिखित हैं :-

- (1) शरीर में होने वाली विभिन्न कार्यात्मक अभिक्रियाओं के लिए प्रोटीन अति आवश्यक है।
- (2) शरीर की शारीरिक वृद्धि व विकास के लिए प्रोटीन जरूरी है।
- (3) शरीर में मांस (Meat) के निर्माण में प्रोटीन आवश्यक होता है।

प्रोटीन का सीधा सम्बन्ध उत्पादन (Production) है। अतः उत्पादन में वृद्धि के लिए प्रोटीन आवश्यक है।

P.T.O.

11

$$\boxed{\quad} + \boxed{\quad} = \boxed{\quad}$$

भाग पूर्व पृष्ठ पृष्ठ ... क अंक कुल अंक



(5) शरीर में विभिन्न क्रियाओं को निष्पन्न कराने वाले एन्जाइम व हार्मोन स्वभाव से प्रोटीन होते हैं।

(6) टूटे-फूटे अणुओं (Tissue) की मरम्मत (Repair) करने का कार्य प्रोटीन करते हैं।

(7) मांस व अण्डा उत्पादन प्रोटीन पर निर्भर करता है क्योंकि अण्डे में 13% प्रोटीन व मांस में लगभग 18% प्रोटीन होता है।

पशुओं की जाँच करने की तीन विधियों के नाम "OR"

P.T.O.

12

योग पूर्व पृष्ठ

+

पृष्ठ 12 के अंक

=

कुल अंक



प्रश्न क्र.

पु 010

उ 010

पशुओं की जाँच करने की प्रमुख विधियाँ निम्न हैं:-

(1) व्यक्तिगत या समूह चयन
(Individual / Mass selection)

(2) वंशावली चयन (Pedigree selection)

B
S
E

(3) पारिवारिक चयन (family selection)

(4) सन्तान चयन / (Progeny testing)
या सन्तान परीक्षण

(5) गुणांक विधि द्वारा चयन
(selection by score card method)



"OR"

पशु चिकित्सा की चार औषधियों के नाम

पशु चिकित्सा में उपयोग लेने वाली प्रमुख औषधियों के नाम निम्न हैं :-

(1) नीला शोथा (Copper sulfate) काय (Wet)

(1) नीला शोथा का 0.25% घोल से पेट के किड़े मारने के लिए उपयोग किया जाता है।

(2) इसके 1% घोल का उपयोग फुड बाथ (foot bath) में खुरपका-मुँहपका रोग के लिए किया जाता है।

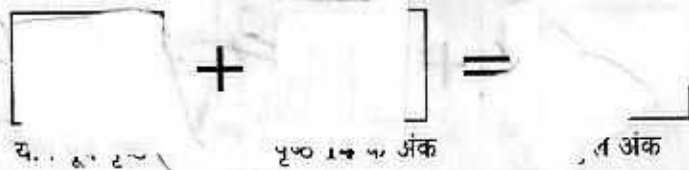
(2) फिटकरी (Alum)

(1) रक्त स्राव को रोकने के लिए फिटकरी का उपयोग किया जाता है।

(3) बोरिक अम्ल (Boric acid)

(1) छावों को सुखाने के लिए बोरिक अम्ल के पाउडर (Powder) का छिड़काव किया जाता है।

14



प्रश्न क्र.

(4) पोटेशियम परमैंगनेट (लाल दवा) (*Potassium permanganate*) :-

(1) इसका उपयोग दवाओं को विसंक्रामित (Sterilize) करने के लिए किया जाता है।

(2) साँफ़, बिच्छू विषु आदि के कारण पर इसके 2% घोल को सुरई एंटीडोट (Antidote) के रूप में लगाई जाती है।

B
S
E

(5) मैगनेशियम सल्फ़ेट (*Magnesium sulfate*) :-

(1) कुर्न के साथ मिलाकर इसे से बुखार तुरन्त ठीक हो जाता है।

(6) सल्फ़र (*Sulfur*) :-

(1) चर्म रोगों के निवारण के लिए इसका उपयोग किया जाता है।

P.T.O.



प्रश्न क्र.

पु012
उ012

बीमार पशुओं के चार लक्षण

बीमार पशुओं की पहचान के चार लक्षण निम्न हैं :-

- (1) पशु सुरत एवं अप्रसन्न दिखाई देता है।
- (2) कान झुके हुए रहते हैं साथ ही मस्तक भी झुका हुआ रहता है।
- (3) पशु जुगली करना बन्द कर देता है।
- (4) पशु का श्वासन गीला न रहकर शुष्क (सुखा) रहता है।
- (5) दुधारु पशु दुध देना कम या बन्द कर देता है।
- (6) कार्य करने वाला पशु कार्य में रूचि नहीं दिखाता है।
- (7) ना पतला व दुगन्ध युक्त होता है।

र पशु आहार खाना कम या बन्द कर देता है।

P.T.O.

प्रश्न क्र.

9 स्वस्थ पशु की नाड़ी गति निम्न है:-

* गाय, भैंस, बैल - 40-50 बार/मिनट।

* भेड़ व बकरी - 60-80 बार/मिनट।

अगर नाड़ी गति सामान्य से कम या ज्यादा है तो पशु विमार है।

B
S
E

10 स्वस्थ पशु का तापमान निम्न है:-

* गाय - 101°F से 102°F (101.5°F)

* भैंस - 99°F से 102°F (101°F)

पशु का तापमान सामान्य से कम / ज्यादा है तो पशु विमार है।

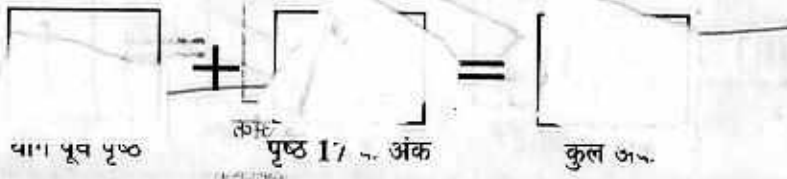
11 स्वस्थ पशु की श्वास दर निम्न है:-

* गाय, भैंस, बैल - 12-20 बार/मिनट।

* बकरी, भेड़, भैंस - 18-20 बार/मिनट।

अतः पशु का श्वास दर सामान्य से कम व ज्यादा है तो पशु विमार है।

17



क्र. 13 13

रबड़ी का आसित संगठन "OR"

रबड़ी :- (Rabri)

दूध को धीरे-धीरे गर्म करके तथा उसमें चीनी (शक्कर) का मात्रा 15% मिलाने के पश्चात् जो लच्छेदार गाढ़ा पदार्थ बनाता है उसे रबड़ी कहते हैं।

रबड़ी का आसित संगठन (Composition)

क्र.	रबड़ी के अवयव	उनकी प्रतिशत मात्रा
1.	पानी (Water)	36%
2.	वसा (fat)	20%
3.	प्रोटीन (protein)	10%
	लेक्टोस (lactose) (दुग्ध शर्करा)	17%
	भस्म	2%
	शक्कर (चीनी) (सुक्रोज)	



प्रश्न क्र.

५०१५
३०१५

कुल्फी बनाने का फलोचार्ट

कुल्फी (Kulfi) :-

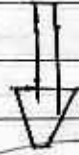
कुल्फी वह हिमीकृत दुग्ध उत्पाद है जिसमें दुग्ध व चीनी की निश्चित मात्रा को मिलाकर जमाया जाता है, कुल्फी कुल्लाती है।

B
S
E

कुल्फी बनाने का फलोचार्ट

(1)

शुद्ध भैंस का दुग्ध



(2)

दुग्ध को गर्म करके आधा सान्द्रित करना



(3)

सान्द्रित दुग्ध में 20% चीनी तथा काजू, बादाम, पिस्ता, इलाइची मिलाना।



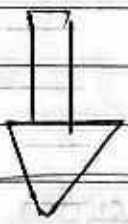
P.T.O.

19



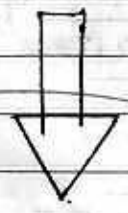
(4)

मिश्रण को गर्म करने तथा शंकुओं में भरकर सील लगाना।



(5)

शंकुओं को 5-7°C तक ठंडा करना।



(6)

बर्फ व नमक के क्रमशः 4:1 के मिश्रण में प्रशीतन करना।



(7)

फ्रिज (Refrigerator) में रखकर ठंडा करना।

P.T.O.



प्रश्न क्र.

4015

3015

~~दुग्ध चूर्ण क्या है व संगठन~~

~~दुग्ध चूर्ण~~

दुग्ध चूर्ण :- (Milk powder)

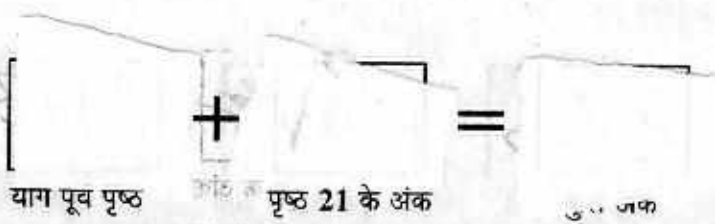
दुग्ध को कम तापमान पर खुला-
कर के तैयार चूर्ण, दुग्ध चूर्ण कहलाता है।
इसे पुनः दुग्ध में परि-वर्तित किया जा सकता है।

B
S
E

दुग्ध चूर्ण का संगठन (Composition)

क्र.	दुग्ध चूर्ण के अवयव	पूर्ण दुग्ध द्वारा	समूदा दुग्ध द्वारा
1.	जमी	3.8%	3.5%
2.	वसा	26%	1%
3.	प्रोटीन	27%	35.5%

P.T.O.



क्र.

क.	दुग्ध चुर्ण के अक्षय	पूर्ण दुग्ध दूध	संप्रेत दुग्ध दूध
4.	लेक्टोस	37.2%	52%
5.	राख	6%	7.9%

"OR"

मुर्गीपालन का भारतीय अर्थव्यवस्था में महत्व

मुर्गीपालन का भारतीय अर्थव्यवस्था में निम्न महत्व है :-

- (1) भूमि एवं पुँजी :- मुर्गीपालन व्यवसाय करने के लिए अधिक भूमि व ज्यादा पुँजी की आवश्यकता नहीं होती है।
- (2) राष्ट्रीय आय में वृद्धि :- भारत सरकार के मंत्रिमण्डल के सांख्यिकी विभाग के अनुसार पशुपालन की भाँति मुर्गीपालन से राष्ट्रीय आय प्राप्त होती है।

प्रश्न क्र.

(3) विदेशी मुद्रा की प्राप्ति :-

मुर्गीपालन व्यवसाय के विभिन्न उत्पाद की विदेशों में भारी माँग है तथा विदेशों में इन उत्पादों के निर्यात करने से विदेशी मुद्रा की प्राप्ति होती है।

(4) सहायक व्यवसाय के रूप में :-

किसान मुर्गीपालन व्यवसाय को सहायक धन्धे के रूप में कर काफी मुनाफा कमा रहे हैं जिससे किसानों में आय में वृद्धि हो रही है तथा अपत्यक्ष रूप से भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत हो रही है।

(5) विभिन्न उत्पाद पर लगाया गया टैक्स (कर) से :-

मुर्गीपालन व्यवसाय के विभिन्न उत्पाद जैसे चिकन (मांस) पर G.S.T. लगाने से सरकार को कर प्राप्त हो रहा है तथा प्रत्यक्ष रूप से भारतीय अर्थव्यवस्था सुदृढ़ हो रही है।

(6) रोजगार की प्राप्ति :-

मुर्गीपालन व्यवसाय में लोगो को रोजगार प्राप्त हो रहा है जिससे बेरोजगारी पर कम हो रही है। इन लोगो को रोजगार प्राप्त



लेने से सरकार को फायदा हो रहा है।

अतः इस प्रकार हम कह सकते हैं कि अन्य व्यक्तियों की तरह ही मुर्गीपालन से भारतीय अर्थव्यवस्था में मेहनत मिलाने है।

"OR"

आहार में विटामिन्स A, B, C, D, E एवं K के एक-एक कार्य

मुर्गीयों के आहार में विटामिन्स A, B, C, D, E एवं K के प्रमुख कार्य निम्न हैं :-

क्र.	विटामिन्स का नाम व रा. नाम	कार्य (Work)
1.	<u>Vitamin 'A'</u> रासायनिक नाम:- रेटिनाल	(1) शारीरिक वृद्धि के लिये। (2) नेत्र की तन्त्रिका कोशिकाओं के पूर्ण विकास के लिये। (3) रतौंधी रोग से बचाव के लिये।
2.	<u>Vitamin 'B'</u> का मूलेक्स रा. नाम:- थायामिन राइबो-फ्लोविन, पेन्थोथेनॉट अम्ल, Folic अम्ल, नियामिन आदि।	(1) भ्रूख बढ़ाने के लिए। (2) तन्त्रिका तन्त्र को सुचारु रूप से चलाने के लिये। (3) बेरी-बेरी रोग से बचाने के लिये।



प्रश्न क्र.

क्र	विटामिन्स नाम व रा. नाम	कार्य (Work)
3.	Vitamin 'C' रा. नाम - <u>Scurbic acid</u>	(1) मुँह को स्वस्थ रखने के लिए। (2) स्कर्वी रोग से बचाव के लिए।
4.	Vitamin 'D' रा. नाम - <u>'Calciferol'</u>	(1) दाँतों व हड्डियों के विकास के लिए, (2) फास्फोरस व कैल्शियम के अवशोषण के लिए। (3) सुखा रोग से बचाव के लिए।
5.	Vitamin 'E' रासायनिक नाम - <u>"Tocopherol"</u>	(1) "पूजनन सम्बन्ध" सम्बन्धी बिमारी को दूर करने के लिए। (2) यौन शक्ति के लिए।
6.	Vitamin 'K' रा. नाम - <u>फारलोक्वीनोन</u>	(1) रक्त का थक्का से जमाने के लिए (Blood clotting)

B
S
E



माध्यमिक शिक्षा

मध्यप्रदेश, भोपाल

4 पृष्ठीय

परीक्षा का विषय: Animals & Poultry परीक्षा का मध्यम: 4 3 0 हिन्दी परीक्षा का दिनांक: 26 03 2019

परीक्षाधीन द्वारा भरा जाने

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, म.प्र., भोपाल माध्यमिक शिक्षा मण्डल, म.प्र., भोपाल माध्यमिक शिक्षा मण्डल, म.प्र., भोपाल

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, म.प्र., भोपाल

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, म.प्र., भोपाल

परीक्षाधीन का रोल नम्बर

9 4 7 2 5 3

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, म.प्र., भोपाल

परीक्षा का नाम एवं परीक्षा केन्द्र क्रमांक की मुद्रा

हायर सेकण्डरी परीक्षा

C. No. 471005

पदवेत्ता का नाम एवं हस्ताक्षर

मुकेश बेरागा

केन्द्र प्रमुख / सहायक केन्द्र प्रमुख के हस्ताक्षर

Rishu

मुख्य उत्तर पुस्तिका के अंतिम पृष्ठ क्रमांक तक कुल प्राप्तांक + =

श्र. नं.-18
उत्तर-18

बर्ड फ्लू रोग व चार लक्षण

B
S
E

बर्ड फ्लू रोग (Bird Flu disease)

यह रोग मुर्गी में होने वाली एक भयंकर संक्रामक विषाणु जनित रोग है। यह रोग इन्फ्लुएन्जा विषाणु - A के विभिन्न स्ट्रेन्ज (Strains) से होता है। जिसमें सबसे ज्यादा खतरनाक H-1 N-1 स्ट्रेन्ज होता है।

मृत्यु दर :-

मुर्गी में होने वाले बर्ड फ्लू की मृत्यु दर 100% होती है। अर्थात् यह रोग होने पर पक्षियों (मुर्गियों) की मृत्यु सुनिश्चित है।

P.T.O.

प्रश्न क्र.

बर्ड फ्लु के चार लक्षण :-

बर्ड फ्लु रोग के प्रमुख लक्षण निम्न हैं :-

(1) मुँह व नासिका रन्ध्रों से लसलसा पदार्थ निकलता रहता है।

(2) मुर्गी को श्वास लेने में कठिनाई होती है।

(3) मुर्गी में लकवा (Paralysis) का शिकायत हो जाती है।

(4) मुर्गी में दस्त में बारम्बारता होती है।

(5) मुर्गी मुँह खुला रखती है तथा उसे ऊँचा करके रखती है।

(6) मुर्गियों को छींके भी आती हैं।

(7) मुर्गियों की मृत्यु तेजी से होती है। (उच्च मृत्यु दर)।

रोकथाम के उपाय (Prevention measures)

(1) संक्रामित क्षेत्रों या देशों से चूले, मांस आदि पर पूर्णतः सख्त प्रतिबन्ध लगा देना चाहिए।

(2) संक्रामित क्षेत्र की दस किलोमीटर की परिधि में आने वाले सभी मुर्गी फार्म व गाँव की मुर्गियों में जलाकर माँ देना चाहिए।



क्र.

- (3) समय - समय पर मुर्गियों को जाँच करनी चाहिए।
जिससे बर्ड फ्लू को जड़ से खत्म किया जा सके।
- (4) देशी मुर्गियों को पलाने को प्रोत्साहित करना चाहिए।